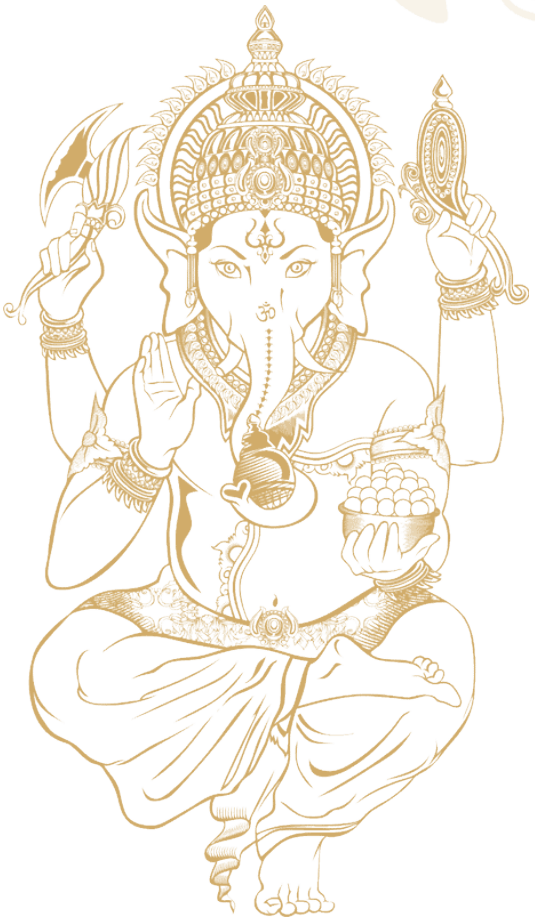

Mr.

17 Apr 2026

05:33 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121961603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/04/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:33:00 घंटे**
इष्ट	29:07:21 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:11:52 घंटे
वेलान्तर	00:00:24 घंटे
साम्पातिक काल	06:54:24 घंटे
सूर्योदय	05:54:03 घंटे
सूर्यास्त	18:47:55 घंटे
दिनमान	12:53:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	03:15:53 मेष
लग्न के अंश	17:44:48 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	विष्कुम्भ
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	17:44:48	316:57:55	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	---
सूर्य			मेष	03:15:53	00:58:42	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	उच्च राशि
चंद्र			मेष	03:22:27	14:43:03	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	सम राशि
मंगल		अ	मीन	11:44:42	00:46:30	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	मित्र राशि
बुध			मीन	09:10:53	01:28:39	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	नीच राशि
गुरु			मिथु	23:00:14	00:06:33	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	27:38:58	01:13:16	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
शनि			मीन	13:20:45	00:07:12	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	13:42:18	00:07:07	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:42:18	00:07:07	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	05:19:18	00:03:05	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप			मीन	08:34:51	00:02:07	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:11:54	00:00:32	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			मिथु	18:17:28	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित

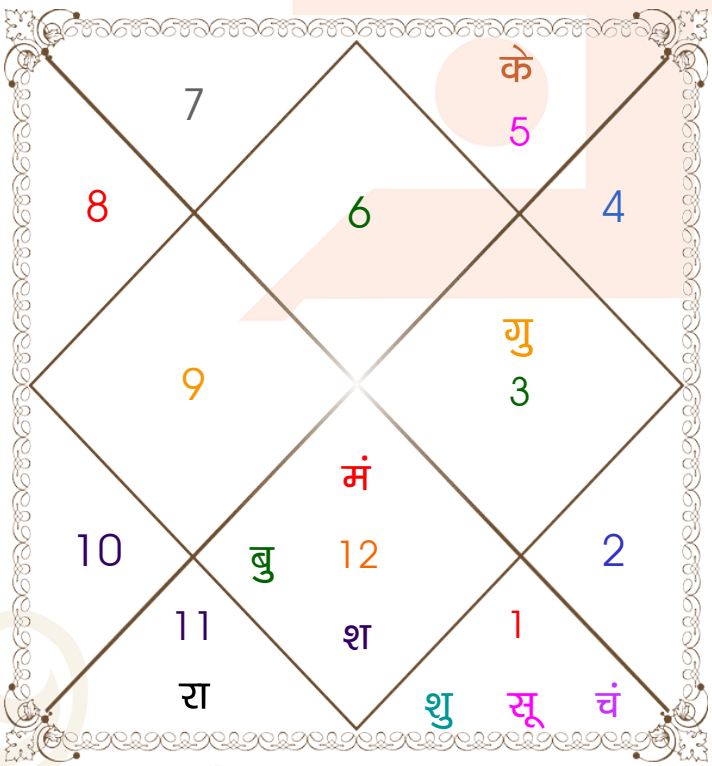

चन्द्र कुंडली

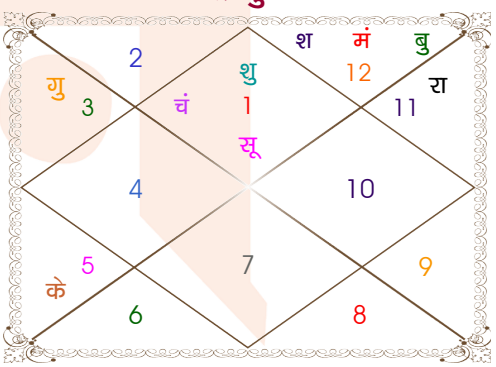

नवमांश कुंडली

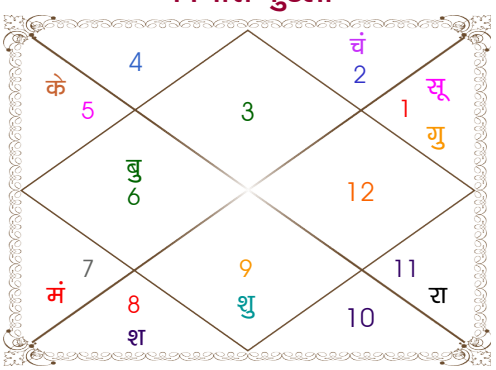

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 2 मास 22 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/04/2026		10/07/2031		10/07/2051		09/07/2057		10/07/2067	
10/07/2031		10/07/2051		09/07/2057		10/07/2067		10/07/2074	
	00/00/0000	शुक्र	08/11/2034	सूर्य	28/10/2051	चंद्र	10/05/2058	मंगल	06/12/2067
	17/04/2026	सूर्य	09/11/2035	चंद्र	27/04/2052	मंगल	09/12/2058	राहु	24/12/2068
सूर्य	12/06/2026	चंद्र	09/07/2037	मंगल	02/09/2052	राहु	09/06/2060	गुरु	30/11/2069
चंद्र	11/01/2027	मंगल	09/09/2038	राहु	28/07/2053	गुरु	09/10/2061	शनि	08/01/2071
मंगल	10/06/2027	राहु	08/09/2041	गुरु	16/05/2054	शनि	10/05/2063	बुध	06/01/2072
राहु	27/06/2028	गुरु	09/05/2044	शनि	28/04/2055	बुध	09/10/2064	केतु	03/06/2072
गुरु	03/06/2029	शनि	10/07/2047	बुध	03/03/2056	केतु	10/05/2065	शुक्र	03/08/2073
शनि	13/07/2030	बुध	10/05/2050	केतु	09/07/2056	शुक्र	08/01/2067	सूर्य	09/12/2073
बुध	10/07/2031	केतु	10/07/2051	शुक्र	09/07/2057	सूर्य	10/07/2067	चंद्र	10/07/2074

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
10/07/2074		09/07/2092		10/07/2108		11/07/2127		10/07/2144	
09/07/2092		10/07/2108		11/07/2127		10/07/2144		00/00/0000	
राहु	22/03/2077	गुरु	27/08/2094	शनि	14/07/2111	बुध	07/12/2129	केतु	06/12/2144
गुरु	15/08/2079	शनि	10/03/2097	बुध	23/03/2114	केतु	04/12/2130	शुक्र	05/02/2146
शनि	21/06/2082	बुध	16/06/2099	केतु	02/05/2115	शुक्र	04/10/2133	सूर्य	18/04/2146
बुध	08/01/2085	केतु	22/05/2100	शुक्र	02/07/2118	सूर्य	10/08/2134		00/00/0000
केतु	26/01/2086	शुक्र	21/01/2103	सूर्य	14/06/2119	चंद्र	10/01/2136		00/00/0000
शुक्र	26/01/2089	सूर्य	10/11/2103	चंद्र	12/01/2121	मंगल	06/01/2137		00/00/0000
सूर्य	21/12/2089	चंद्र	11/03/2105	मंगल	21/02/2122	राहु	26/07/2139		00/00/0000
चंद्र	22/06/2091	मंगल	15/02/2106	राहु	28/12/2124	गुरु	31/10/2141		00/00/0000
मंगल	09/07/2092	राहु	10/07/2108	गुरु	11/07/2127	शनि	10/07/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 2 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय है तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित प्राणी हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी व्यक्ति है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आते परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपकी पत्नी बुद्धिमति है तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपके उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकते हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपका अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्याम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकते हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकते हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें। आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति के प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करते रहते हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहते हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए रंग नीला, काला एवं लाल रंग अनुकूल नहीं है। आपको रंगों में पीला, सफेद, हरा एवं सूआपंखी रंग पूर्णतः अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।